

22 फरवरी 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध:

1. गाजा युद्ध के बावजूद आईएमईसी के साथ आगे बढ़ें: ग्रीक प्रधानमंत्री

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

**सामाजिक न्याय:**

1. चुनावी मौसम और स्वास्थ्य प्रणाली का पुनर्गठन:

**पर्यावरण:**

1. प्रकृति के साथ एक अघोषित युद्ध:

**F. प्रीलिम्स तथ्य:**

1. केंद्र ने गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य बढ़ाया:
2. सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में 100% FDI को मंजूरी दी:
3. खगोलविदों को वे छोटे और गर्म हीलियम तारे मिले जिनकी उन्हें तलाश थी:

**G. महत्वपूर्ण तथ्य:**

**आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।**

**H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:**

**गाजा युद्ध के बावजूद आईएमईसी के साथ आगे बढ़ें: ग्रीक प्रधानमंत्री**

### अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: विकसित एवं विकासशील देशों की नीतियों और राजनीति का भारत के हितों पर प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: समसामयिक मुद्दे।

### विवरण:

- इज़राइल-गाजा संघर्ष ने भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के लिए चुनौतियां खड़ी कर दी हैं, फिर भी ग्रीक प्रधान मंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने "शांति परियोजना" के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि की है।
- रायसीना डायलॉग (Raisina Dialogue) में भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के साथ चर्चा के बीच, मित्सोटाकिस ने आईएमईसी के रणनीतिक महत्व और भारत, मध्य पूर्व और यूरोप के बीच एक सेतु के रूप में ग्रीस की भूमिका पर जोर दिया है।

### विवाद के बीच चुनौतियाँ:

- गाजा संघर्ष के कारण मध्य पूर्व में अस्थिरता के बावजूद, दोनों नेता आईएमईसी के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता पर बल देते हैं।
- भूराजनीतिक तनाव एक अस्थिर क्षेत्र में आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की जटिलता को रेखांकित करता है।
- IMEC भारत और मध्य पूर्व और यूरोप की बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं के बीच कनेक्टिविटी और व्यापार को बढ़ाने का वादा करता है।
- मित्सोटाकिस ने दुनिया के सबसे बड़े व्यापारी शिपिंग बेड़े के नियंत्रक के रूप में ग्रीस की महत्वपूर्ण स्थिति पर प्रकाश डाला, आईएमईसी में एक प्राकृतिक भागीदार के रूप में अपनी भूमिका पर जोर दिया।

### द्विपक्षीय वार्ता:

- अपनी चर्चा के दौरान, नेताओं ने भारत और ग्रीस के बीच व्यापार को दोगुना करने के रास्ते तलाशे।
- उन्होंने गतिशीलता और प्रवासन समझौते के माध्यम से कानूनी प्रवासन को विनियमित करने की आवश्यकता पर भी चर्चा की और सैन्य हार्डवेयर सह-विकास पर सहयोग करने में रुचि व्यक्त की।
- एक महत्वपूर्ण विकास में, ग्रीस ने दोनों देशों के बीच संबंधों और समुद्री सहयोग को मजबूत करते हुए भारत की हिंद-प्रशांत महासागर पहल में शामिल होने के अपने निर्णय की घोषणा की।

### निष्कर्ष:

- भूराजनीतिक चुनौतियों के बावजूद, आईएमईसी को आगे बढ़ाने के लिए भारत और ग्रीस की प्रतिबद्धता क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण और कनेक्टिविटी के महत्व को रेखांकित करती है। उनका सहयोग बाधाओं पर काबू पाने और भारत-प्रशांत क्षेत्र में विकास और सहयोग की अपार संभावनाओं को साकार करने की प्रतिबद्धता का संकेत देता है।

### सारांश:

- भारत और ग्रीस ने चुनौतियों के बावजूद क्षेत्रीय सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इजरायल-गाजा संघर्ष के बीच भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारे के लिए प्रतिबद्धता की पुष्टि की। द्विपक्षीय वार्ता व्यापार बढ़ाने, प्रवास को विनियमित करने और समुद्री सहयोग को मजबूत करने पर केंद्रित है, जो आपसी विकास के लिए भू-राजनीतिक बाधाओं को दूर करने के संकल्प का संकेत देता है।

## संपादकीय-द हिन्दू

### संपादकीय:

### चुनावी मौसम और स्वास्थ्य प्रणाली का पुनर्गठन:

### सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

### सामाजिक न्याय:

विषय: स्वास्थ्य, शिक्षा, मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के विकास और प्रबंधन से संबंधित मुद्दे।

मुख्य परीक्षा: तृतीयक से प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केंद्रित करना।

विवरण: चुनावी घोषणापत्र का महत्व

- चुनावी मौसम के दौरान, राजनीतिक दल अपनी प्राथमिकताओं और प्रतिबद्धताओं को रेखांकित करते हुए घोषणापत्र जारी करते हैं।
- ये दस्तावेज़ राजनीतिक पार्टियों की विचारधाराओं को दर्शाते हैं और जवाबदेही के साधन के रूप में काम करते हैं।

पिछले प्रयास और वृद्धिशील परिवर्तन:

- यूपीए और एनडीए के तहत, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (National Rural Health Mission) और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की स्थापना जैसी पहल की गई।
- बढ़ा हुआ वित्त पोषण और बुनियादी ढांचे में सुधार के बावजूद, समग्र स्वास्थ्य देखभाल संरचना काफी हद तक अपरिवर्तित और निष्क्रिय रही।

अंतर्राष्ट्रीय तुलनाएँ और सुधार की तत्काल आवश्यकता:

- थाईलैंड और तुर्की जैसे देशों ने कम समय सीमा के भीतर महत्वपूर्ण स्वास्थ्य देखभाल परिणाम हासिल किए।
- भारत को उच्च मातृ मृत्यु दर (maternal mortality rates) और अपर्याप्त प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- तृतीयक देखभाल पर नीतिगत फोकस अधिकांश स्वास्थ्य आवश्यकताओं की उपेक्षा करता है जिन्हें प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर संबोधित किया जा सकता है।

चुनौतियाँ एवं भावी कदम:

- भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में सुधार के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और तृतीयक देखभाल से प्राथमिक और माध्यमिक स्वास्थ्य देखभाल पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।
- प्रमुख रणनीतियों में चिकित्सा पाठ्यक्रम को संशोधित करना, न्यायसंगत प्रवेश नीतियां और दोहरे अभ्यास पर प्रतिबंध जैसी मानव संसाधन नीतियां शामिल हैं।
- कार्यान्वयन के लिए जिला स्तर पर क्षमता निर्माण, मौजूदा कर्मचारियों को कुशल बनाना और नई संस्थागत क्षमताओं को पेश करने की आवश्यकता होगी।
- सफल सुधारों से अस्पताल में भर्ती होने, बीमारी की घटनाओं और जेब से होने वाले खर्च में कमी आ सकती है, जिससे व्यक्तियों और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली दोनों को लाभ होगा।

**सारांश:**

- चुनावी घोषणापत्रों के वादों के बीच, भारत का स्वास्थ्य सेवा सुधार एक महत्वपूर्ण फोकस बना हुआ है। पिछले प्रयासों के बावजूद, सिस्टम की संरचनात्मक खामियाँ बनी हुई हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल को मजबूत करना राजनीतिक इच्छाशक्ति और पर्याप्त सुधारों की मांग करते हुए महत्वपूर्ण बनकर उभरा है।

प्रकृति के साथ एक अघोषित युद्ध:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

पर्यावरण:

विषय: पर्यावरण संरक्षण।

मुख्य परीक्षा: बढ़ते मानव एवं वन्य जीव संघर्ष का कारण एवं संभावित समाधान।

विवरण:

- केरल का वायनाड जिला इंसानों और वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष का अनुभव कर रहा है, जिसका सबूत हाथियों द्वारा इंसानों पर हमले से जुड़ी हालिया दुखद घटनाएं हैं।

- यह संघर्ष क्षेत्र में व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन को दर्शाता है, जो वन्यजीवों के आवासों में मानव अतिक्रमण के कारण और भी बदतर हो गया है।

### वन्यजीव गलियारों का नुकसान:

- वर्ष 2005 में भारतीय वन्यजीव ट्रस्ट द्वारा किए गए एक अध्ययन में 88 हाथी गलियारों की पहचान की गई, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में, इनमें से कई गलियारों पर मानवीय गतिविधियों का अतिक्रमण हो गया है।
- कृषि क्षेत्रों, चाय बागानों, मानव बस्तियों, राजमार्गों और पारिस्थितिक पर्यटन स्थलों ने इन गलियारों का स्थान ले लिया है, जिससे मानव-आबादी क्षेत्रों में वन्यजीवों का आक्रमण बढ़ गया है।

### मानव जीवन और कृषि पर प्रभाव:

- वायनाड में वन्यजीवों, विशेषकर हाथियों के हमलों के कारण बड़ी संख्या में मानव मृत्यु और फसल की क्षति देखी गई है।
- वर्ष 2017 और 2023 के बीच, वन्यजीव घुसपैठ के कारण फसल के नुकसान के 20,000 से अधिक मामले और 1,559 घरेलू पशुओं की मौत के मामले सामने आए, जिससे कृषि क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

### पारिस्थितिक क्षरण में योगदान देने वाले कारक:

- मोनोकल्चर वृक्षारोपण और पर्यटन विकास सहित गैर-वन उपयोग के लिए वन भूमि के रूपांतरण ने प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को बाधित कर दिया है।
- मोनोकल्चर वृक्षारोपण, कीटनाशकों का उपयोग, उत्खनन और वनों की कटाई की गतिविधियों ने मिट्टी की गुणवत्ता को और खराब कर दिया है, जिससे फसल की पैदावार प्रभावित हुई है और पारिस्थितिक गड़बड़ी बढ़ गई है।

### सरकार की भूमिका और संरक्षण प्रयास:

- अपर्याप्त वन प्रबंधन प्रथाओं के साथ पर्यटन उद्योग के विस्तार ने वायनाड में पारिस्थितिक गिरावट को और खराब कर दिया है।
- सरकार ने ऑपरेशन जंबो परेड और एक उच्च-स्तरीय पैनल के गठन जैसी पहलों की घोषणा की है, जबकि संघर्ष के मूल कारणों को संबोधित करने के लिए प्रभावी रणनीतियाँ और संरक्षण कानूनों का प्रवर्तन आवश्यक है।

### निष्कर्ष:

- वायनाड में पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है, जिसमें संरक्षण कानूनों को लागू करना, राज्यों के बीच समन्वित प्रयासों की स्थापना और वन प्रबंधन और आवास बहाली की प्राथमिकता शामिल है।

### सारांश:

- वायनाड बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष (*human-wildlife conflict*) से जूझ रहा है, जिसका उदाहरण हाल की दुखद घटनाएं हैं। वन्यजीव गलियारों पर अतिक्रमण, कृषि हानि और पारिस्थितिक क्षरण प्रभावी संरक्षण उपायों और सरकारी हस्तक्षेप की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

### प्रिलिम्स तथ्य:

#### 1. केंद्र ने गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य बढ़ाया:

### प्रसंग:

- आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने हाल ही में चीनी मौसम 2024-25 के लिए चीनी की 10.25 प्रतिशत वसूली दर पर की गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) ₹ 340/क्विंटल करने की मंजूरी दे दी।

### सम्बन्धित जानकारी:



- यह निर्णय मौजूदा सीज़न की एफआरपी से 8% की वृद्धि को दर्शाता है।
- 1 अक्टूबर, 2024 से शुरू होने वाला संशोधित एफआरपी किसानों की कल्याण संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।
- भारतीय गन्ना किसानों को उनकी उपज के लिए वैश्विक मानकों से बेहतर प्रतिस्पर्धी दरें प्राप्त होती हैं।
- गन्ने के ए2+एफएल मूल्य से 107 प्रतिशत अधिक पर निर्धारित नई FRP का लक्ष्य देश भर में गन्ना किसानों की आर्थिक भलाई को बढ़ाना है।

#### **महत्व:**

- भारत की प्रतिस्पर्धी मूल्य संरचना, जहां कई फसलें विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी दरों पर खरीदी जाती हैं, देश की कृषि लचीलापन और बाजार स्थिति को रेखांकित करती हैं।

#### **2. सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में 100% FDI को मंजूरी दी:**

#### **प्रसंग:**

- सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एफडीआई (FDI) नियमों को रेखांकित किया है, जिसमें कहा गया है कि 74% स्वामित्व से परे की गतिविधियां सरकारी मार्ग के तहत होंगी।

#### **मुद्दा:**

- स्वचालित मार्ग के तहत, लॉन्च वाहनों, संबंधित प्रणालियों और स्पेसपोर्ट के लिए 49% तक एफडीआई की अनुमति है। 49% से अधिक की गतिविधियों पर सरकारी मंजूरी अनिवार्य है।
- इसके अतिरिक्त, उपग्रहों, ग्राउंड सेगमेंट और उपयोगकर्ता सेगमेंट के लिए घटकों और प्रणालियों के निर्माण के लिए स्वचालित मार्ग के तहत 100% एफडीआई की अनुमति है, जिसका लक्ष्य रोजगार और प्रौद्योगिकी अवशोषण को बढ़ावा देना है।

- इस पहल का उद्देश्य भारतीय कंपनियों को वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एकीकृत करना और स्थानीय विनिर्माण सुविधाओं को प्रोत्साहित करना है।
- उपग्रह क्षेत्र को तीन गतिविधियों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक में निर्दिष्ट विदेशी निवेश सीमाएँ हैं।
- वर्तमान में, उपग्रहों की स्थापना और संचालन के लिए विदेशी निवेश के लिए सरकारी मंजूरी की आवश्यकता होती है।

#### **महत्व:**

- ये उपाय विदेशी निवेश और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहित करते हुए अंतरिक्ष क्षेत्र को उदार बनाने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों को रेखांकित करते हैं।

### **3. खगोलविदों को वे छोटे और गर्म हीलियम तारे मिले जिनकी उन्हें तलाश थी:**

#### **प्रसंग:**

- खगोलविदों ने हाल ही में वैज्ञानिक सिद्धांतों द्वारा भविष्यवाणी किए गए सितारों के एक पूर्व मायावी वर्ग की पहचान करके एक अभूतपूर्व खोज की है।

#### **सम्बन्धित जानकारी:**

- टोरंटो विश्वविद्यालय के सहायक प्रोफेसर मारिया ड्राउट के नेतृत्व में, शोध दल ने हजारों सितारों को सावधानीपूर्वक सूचीबद्ध करने में सात साल बिताए।
- अपने गर्म, हीलियम से ढके कोर की विशेषता वाले ये अनोखे तारे, अपने अस्तित्व की भविष्यवाणियों के बावजूद लंबे समय तक पहचान से बचते रहे थे।
- निष्कर्ष मौलिक खगोल भौतिकी सिद्धांतों की पुष्टि करते हैं और तारकीय विकास की जटिलताओं पर प्रकाश डालते हैं।

- तारों के स्पेक्ट्रा का विश्लेषण करके, टीम ने हाइड्रोजन-रहित, हीलियम-समृद्ध कोर वाले टाइप 1 सितारों की पहचान की, जो अक्सर बाइनरी सिस्टम में पाए जाते हैं।

### महत्व:

- यह खोज न केवल तारकीय घटनाओं के बारे में हमारी समझ को गहरा करती है, बल्कि तारों के जीवनचक्र और ब्रह्मांड को आकार देने की उनकी क्षमता पर आगे के शोध का मार्ग भी प्रशस्त करती है। यह सफलता खगोलविदों के सहयोगात्मक प्रयासों और ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाने में दीर्घकालिक वैज्ञानिक जांच के महत्व पर प्रकाश डालती है।

### महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

### UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1. पीएम-स्वनिधि योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:**

1. यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है, जो पूरी तरह से सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित है।
2. इसका उद्देश्य विक्रेताओं को किफायती कार्यशील पूंजी ऋण तक पहुंच प्रदान करना है जो उन्हें कोविड लॉकडाउन के बाद अपनी आजीविका गतिविधियों को फिर से शुरू करने में मदद कर सकता है।
3. यह उन विक्रेताओं को पुरस्कृत करके डिजिटलीकरण को बढ़ावा देता है जो ऋणों के डिजिटल भुगतान का विकल्प चुनते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 2 और 3
- (d) उपरोक्त सभी

उत्तर: c

व्याख्या:

- कथन 2 और 3 सत्य हैं। पीएम-स्वनिधि योजना का उद्देश्य कोविड-19 लॉकडाउन से प्रभावित सड़क विक्रेताओं को उनकी आजीविका गतिविधियों को फिर से शुरू करने में मदद करने के लिए किफायती कार्यशील पूंजी ऋण प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, यह योजना विक्रेताओं को ऋणों के डिजिटल भुगतान का विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करके डिजिटलीकरण को बढ़ावा देती है।

**प्रश्न 2. जीआई टैग हस्तशिल्प उत्पाद 'हमाराम' (Hmaram) किस राज्य से संबंधित है?**

- (a) मणिपुर
- (b) नगालैंड
- (c) ओडिशा
- (d) मिजोरम

उत्तर: d

व्याख्या:

- जीआई टैग वाला हस्तशिल्प उत्पाद 'हमाराम' मिजोरम से संबंधित है।

**प्रश्न 3. व्यापार संबंधी उद्यमिता विकास सहायता योजना (TREAD) का उद्देश्य क्या है?**

- (a) अर्धचालकों के निर्यात आधारित औद्योगीकरण को सुविधाजनक बनाना
- (b) एमएसएमई क्षेत्र को वित्त पोषण प्रदान करना
- (c) महिलाओं के बीच गैर-कृषि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना
- (d) ग्रामीण भारत से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देना

उत्तर: c

व्याख्या:

- व्यापार संबंधी उद्यमिता विकास सहायता योजना (Trade Related Entrepreneurship Development Assistance Scheme (TREAD)) का उद्देश्य महिलाओं के बीच गैर-कृषि आर्थिक

गतिविधियों को बढ़ावा देना है।

**प्रश्न 4. विश्व स्वास्थ्य संगठन ने किस बीमारी की रोकथाम के लिए R21/Matrix-M वैक्सीन को प्रीक्वालिफाई किया था?**

- (a) मलेरिया
- (b) खसरा
- (c) मेनिनजाइटिस
- (d) मंकीपॉक्स

**उत्तर: a**

**व्याख्या:**

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मलेरिया की रोकथाम के लिए R21/मैट्रिक्स-एम वैक्सीन को प्रीक्वालिफाई कर दिया है।

**प्रश्न 5. भारत के संविधान में पांचवीं अनुसूची और छठी अनुसूची के उपबंध निम्नलिखित में से किसलिए किए गए हैं: PYQ (2015)**

- (a) अनुसूचित जनजातियों के हितों के संरक्षण के लिए
- (b) राज्यों के बीच सीमाओं के निर्धारण के लिए
- (c) पंचायतों की शक्तियों, प्राधिकारों और उत्तरदायित्व के निर्धारण के लिए
- (d) सभी सीमावर्ती राज्यों के हितों के संरक्षण के लिए

**उत्तर: a**

**व्याख्या:**

- भारत के संविधान की पांचवीं अनुसूची और छठी अनुसूची में प्रावधान अनुसूचित जनजातियों के हितों के संरक्षण के लिए किए गए हैं।
- ये अनुसूचियाँ उन क्षेत्रों को चित्रित करती हैं जहाँ आदिवासी समुदाय मुख्य रूप से निवास करते हैं और उनके शासन और विकास के लिए विशेष प्रावधानों की रूपरेखा तैयार करते हैं।

**UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**प्रश्न 1. भारतीय स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को आर्थिक रूप से वंचित वर्गों के लिए अधिक समावेशी बनाने के लिए इसमें किन संरचनात्मक परिवर्तनों की आवश्यकता है? (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, स्वास्थ्य/सामाजिक न्याय] (What structural changes are needed in the Indian healthcare system to make it more inclusive for the economically deprived segments? (15 marks, 250 words) [GS-2, Health/Social Justice])**

**प्रश्न 2. भारत में मानव-पशु संघर्ष की घटनाएं लगातार क्यों बढ़ रही हैं? समस्या से निपटने के उपाय सुझाएँ। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-3, पर्यावरण] (Why are the instances of human-animal conflict on a consistent rise in India? Suggest measures to tackle the problem. (15 marks, 250 words) [GS-3, Environment])**

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)